NEW LUCKNOW CITY PVT ITI

सत्यमेव जयते

Industrial Training Institute

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF SKILL DEVELOPMENT & ENTREPRENEURSHIP
DIRECTORATE GENERAL OF TRAINING

भारत सरकार NCVT द्वारा मान्यता प्राप्त

PROSPECTUS

STATE CODE: PITI 3358

MIS CODE: PU09900547

Skill India
कौशल भारत - कुशल भारत

कौशलं बलम्

आई0टी0आई (ITI)क्या है ?

आई0टी0आई (Industrial Training Institute), एक प्रकार का औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान है जो कि इंजीनियरिंग और नॉन–इंजीनियरिंग दोनों तकनीकी क्षेत्रों में इंडस्ट्री स्तर की ट्रेनिंग प्रदान करता है। आई0टी0आई0 का गठन प्रशिक्षण महानिदेशालय (DGT- Directorate General of Training),कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (Ministry of Skill Development & Entrepreneurship), राज्य सरकार (Union Government) द्वारा छात्रों को विभिन्न तकनीकी क्षेत्रों में प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए किया गया है।

आई0टी0आई0 में विभिन्न व्यावसाय/ट्रेडस (Subjects) जैसे कि – विद्युतीय (Electrical), यांत्रिक (Mechanical/ Fitter), सिलाई तकनीक (Sewing Technology), संगणक धातु सामग्री (Computer Hardware) आदि विषयों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है। इन संस्थानों को मुख्यतः उन छात्रों को दृष्टिगत करते हुए स्थापित किया गया है जो कि आठवीं या दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण करने के उपरांत उच्च स्तरीय अध्ययन (Higher studies) को न चुनकर तकनीकी शिक्षा (Technical Education) प्राप्त करने में इच्छुक होते हैं।

आई0टी0आई0 (ITI)का प्रमुख उद्देश्य क्या है ?

आई0टी0आई का प्रमुख उद्देश्य छात्र–छात्राओं को तकनीकी रूप से सुदृढ़ बनाना है एवं विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों (Industrial Sectors) में कार्य करने के लिए तैयार करना है जिससे कि उन्हें बढ़ते औद्योगिक क्षेत्रों में रोज़गार के अवसर प्रदान किये जा सकें। आई0टी0आई की विशेषता यह है कि इसमें लिखित (Written) की अपेक्षा व्यावहारिक (Practical) ज्ञान की ओर अधिक ध्यान दिया जाता है, जिससे बच्चों के व्यावहारिक ज्ञान में वद्धि होती है और उनके अंदर एक विशेष प्रकार की तकनीकी क्षमता (Technical Skill) विकसित हो जाती है जो आगे चलकर उनके भविष्य के लिए सहायक सिद्ध होती है।

आई0टी0आई0 (ITI) प्रशिक्षण के लाभ–

1. आई0टी0आई0 प्रशिक्षण आप बहुत ही कम फीस में प्राप्त कर सकते हैं। किसी भी डिप्लोमा कोर्स को करने में आपकी 1,00,000 से 1,50,000 लाख तक की धनराशि खर्च हो जाती है लेकिन यदि आप आई0टी0आई0 करते हैं तो आप को एक से दो साल के कोर्स के लिए मात्र 16,000 से 36,000 तक की ही धनराशि खर्च करनी पड़ेगी।

2. आई0टी0आई0 प्रशिक्षण प्राप्त करने का एक लाभ यह भी है कि इस प्रशिक्षण को आप बहुत ही कम दिनों में (6 महीने से 2 साल) में पूरा कर सकते हैं। ये समयावधि अन्य किसी भी पाठ्यक्रम की समयावधि से बहुत कम है।

3. आई0टी0आई0 प्रशिक्षित युवक/युवतियों हेतु सरकारी प्रतिष्ठान/अर्धसरकारी प्रतिष्ठान/निगम/परिषद तथा निजी प्रतिष्ठान जैसे – रेलवे (Railway), आर्मी (Army), नेवी (Navy), एयरफोर्स (Airforce), पी0डब्लू0डी0, सिंचाई विभाग, व्यावसायिक शिक्षा विभाग, भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लि0 (BHEL), गैस अथौरिटी ऑफ इंडिया लि0 (GAIL), स्टील अथौरिटी ऑफ इंडिया लि0 (SAIL), उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लि0 (UPPCL) , टाटा मोटर्स (Tata Motors), मारूती सुज़ूकी (Maruti Suzuki) आदि रोज़गार के पर्याप्त अवसर प्रदान करते रहते हैं।

4. आई0टी0आई0 का प्रशिक्षण स्वरोज़गार में सहायक सिद्ध हुआ है तथा आई0टी0आई0 प्रशिक्षित व्यक्तियों को स्वरोज़गार हेतु सरकार द्वारा मुद्रा लोन योजना के अंतर्गत बिना गारण्टी के ऋण उपलब्ध किया जाता है।

5. आई0टी0आई0 प्रशिक्षण के दौरान राज्य सरकार द्वारा नियमानुसार छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति की व्यवस्था भी की जाती है।

आई0टी0आई0 प्रशिक्षण प्राप्त कर लेने के उपरांत आप क्या कर सकते हैं ?

आइ0टी0आई0 प्रशिक्षण पूर्ण कर लेने के उपरांत आप निम्नलिखित किसी भी मार्ग का चयन कर सकते हैं–

1. नेशनल अप्रैंटिसशिप सर्टिफ़िकेट **(NAC-National Apprenticeship Certificate)** प्राप्त करने के लिए आप विभिन्न प्रकार के उद्योगों में चलाये जा रहे अप्रैंटिसशिप प्रोग्राम में हिस्सा ले सकते हैं।

2. पार्श्व प्रविष्टि **(Lateral Entry)** द्वारा इंजीनियरिंग की अधिसूचित शाखाओं में डिप्लोमा कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं **(Diploma in Electrical Engineering)**

3. इस प्रशिक्षण के सफल समापन के उपरांत आप आई0टी0आई0 में अनुदेशक **(Instructor)** बनने के लिए शिल्प प्रशिक्षक प्रशिक्षण योजना **(CITS-Crafts Instructor Training Scheme)** में शामिल हो सकते हैं।

4. राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान **(NIOS-National Institute of Open Schooling)** के माध्यम से इण्टरमीडीएट की परीक्षा पूर्ण कर सकते हैं और तकनीकी शिक्षा के लिए आगे जा सकते हैं।

आई0टी0आई प्रशिक्षण आप किस तरह से प्राप्त कर सकते हैं?

आई0टी0आई0 प्रशिक्षण आप दो प्रकार से प्राप्त कर सकते हैं–

1. राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद **(NCVT-National Council of Vocational Training)** द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से जो कि केन्द्र सरकार के अंतर्गत काम करती है।

2. राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद **(SCVT-State Council of Vocational Training)** द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से जो कि राज्य सरकार के अंतर्गत काम करती है।

आई0टी0आई0 व्यावसाय (Trades) कितने प्रकार के होते हैं ?

आई0टी0आई0 व्यावसाय के मुख्यतः दो प्रकार होते हैं–

1. अभियांत्रिक व्यावसाय **(Engineering Trades):** ये व्यावसाय पूर्ण रूप से तकनीकी (Technical) होते हैं। इस प्रकार के व्यावसायों में छात्र–छात्राओं को अधिकतर गणित, विज्ञान और विभिन्न तकनीकियों से संबंधित विषयों पर शिक्षा प्रदान की जाती है।

2. गैर–अभियांत्रिक व्यावसाय **(Non-Engineering Trades):** इन व्यावसायों में तकनीकी विषय नहीं होते हैं। इसके अतिरिक्त यह विज्ञान या तकनीकी से कम ही संबंध रखते हैं।

न्यू लखनऊ सिटी निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (New Lucknow City Pvt. ITI)

न्यू लखनऊ सिटी निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, मोहान रोड, मौंदा, लखनऊ–आगरा एक्सप्रेस वे के पास, लखनऊ में स्थित है। इसकी स्थापना AUGUST, 2017 को निजी क्षेत्रों में तकनीकी विकास हेतु, समाज के ग़रीब व बेरोज़गार नवयुवकों एवं नवयुवतियों को औद्योगिक तकनीकी **(Industrial Technology)** प्रशिक्षण प्रदान करने एवं स्वतः रोज़गार के योग्य बनाने के उद्देश्य से की गई थी। यह संस्थान राष्ट्रीय व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद **(NCVT)** द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान है। संस्थान में प्रवेशित प्रशिक्षार्थियों को प्रशिक्षण उपरांत राष्ट्रीय व्यावसायिक परीक्षा में सम्मिलित किया जाता है एवं परीक्षा में सफ़ल परीक्षार्थियों को भारत सरकार द्वारा अंकपत्र / प्रमाणपत्र प्रदान किया जाता है जो की रोज़गार तथा स्व–रोज़गार हेतु भारतवर्ष एवं विदेशों में पूर्णतयः मान्य है।

संस्थान में उपलब्ध व्यावसाय (**Trades):**

न्यू लखनऊ सिटी निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में मुख्यतः तीन व्यावसाय– **इलेक्ट्रीशियन, फ़िटर तथा सिलाई प्रौद्योगिकी (Sewing Technology)** में प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

1. इलेक्ट्रीशियन एवं फ़िटर **(Electrician / Fitter)** : हस्तशिल्पी प्रशिक्षण योजना (CTS-Craftsman Training Scheme) के अंतर्गत इलेक्ट्रीशियन एवं फ़िटर व्यावसाय सबसे लोकप्रिय पाठ्यक्रमों में से एक हैं, जिन्हें आई0टी0आई0 के नेटवर्क के माध्यम से देश भर में वितरित किया जाता है। ये दोनों ही व्यावसाय बहुत से छात्रों की पहली पसंद होते हैं। इन दोनों ही व्यावसायों की अवधि **दो वर्ष** की होती है। इन दो वर्षो में जहां एक ओर इलेक्ट्रीशियन व्यावसाय में छात्र–छात्राओं को विद्युत उपकरणों की फ़िटिंग, रिपेयरिंग और इंस्टालिंग करना सिखाया जाता है वहीं दूसरी ओर फ़िटर व्यावसाय में छात्र–छात्राओं को धातु के हिस्सों को आकार देना और यांत्रिक उपकरणों का उपयोग करके उन्हें मशीनों में फ़िट और असेंबिल करना सिखाया जाता है। फ़िटर व्यावसाय मैकेनिकल इंजीनियरिंग (Mechanical Engineering) से संबंधित है जो कि पूंजीगत सामान और विनिर्माण क्षेत्र (Capital goods and Manufacturing Sector) के अंतर्गत आता है।

   योग्यता – इलेक्ट्रीशियन एवं फ़िटर व्यावसाय में प्रवेश लेने के लिए छात्र–छात्राओं को **दसवीं की परीक्षा उत्तीर्ण करना** आवश्यक है।

   आयु सीमा –प्रशिक्षार्थी की आयु **प्रवेश वर्ष में 01 अगस्त को 14 वर्ष से कम एवं 40 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए।** न्यूनतम आयु सीमा में किसी प्रकार की कोई छूट का प्रावधान नहीं है। अनुसूचित जाति एवं जनजाति को अधिकतम आयु में नियमानुसार छूट दी जाती है

   पाठ्यक्रम **(Syllabus)**–आई0टी0आई0 इलेक्ट्रीशियन तथा फ़िटर व्यावसायों का पाठ्यक्रम **प्रशिक्षण महानिदेशालय (DGT-Directorate General of Training)** द्वारा निर्धारित किया जाता है। पाठ्यक्रम को दो हिस्सों में बांटा गया है– 1. कार्यक्षेत्र (Domain Area) 2. आंतरिक क्षेत्र (Core Area)
   डोमेन क्षेत्र **व्यावसायिक कौशल और ज्ञान (Trade Theory and Practical)** प्रदान करता है जबकि कोर क्षेत्र **मुख्य कौशल, ज्ञान और जीवन कौशल (Workshop Science & Calculation, Engineering Drawing & Employbility Skills)** संबंधित ज्ञान प्रदान करता है।

इलेक्ट्रीशियन व्यावसाय में आप क्या सीखेंगे–

- स्विच बोर्ड एवं अन्य विद्युत उपकरणों के कनेक्शन करना।
- बिजली की मशीनरी और उपकरण जैसे की मोटर, ट्रांसफ़ार्मर, जनरेटर, स्विचगियर, पंखे आदि को फ़िट और असेंबिल करना।
- जहाँ आवश्यक हो विशिष्टताओं के अनुसार यांत्रिक घटकों, प्रतिरोध इन्सुलेटर आदि को फ़िट करना।
- पी0सी0बी0 की सोल्डरिंग और डी0 सोल्डरिंग करना।
- डोमेस्टिक (Domestic) और इंडस्ट्रियल (Industrial) वाईरिंग एवं अरथिंग करना।
- विद्युत उपकरण जैसे वोल्टमीटर, एममीटर, वॉटमीटर, एनर्जी मीटर, अर्थ टेस्टर आदि का उपयोग करके विद्युत मात्राओं को मापना।
- आर्मेचर वाइंडिग, सिंगल एंड थ्री फ़ेज मोटर वाइंडिग और छोटे ट्रांसफ़ार्मर की वाइंडिंग करना।
- विद्युत ए0सी0 / डी0सी0 मशीनरी, लाइटिंग सरकेट्स, घरेलू उपकरणों और उद्योगों में उपयोग किए जाने वाले उपकरणों की इंस्टालेशन, रखरखाव और मरम्मत करना।
- विभिन्न उपकरण जैसे बस बार, पैनल बोर्ड, इलेक्ट्रिकल पोस्ट, फ़्यूज़ बॉक्स स्विचगियर, मीटर, रिले आदि को सही करना।
- ब्रेकडाउन के समय दोषों का पता लगाना और आवश्यक्तानुसार फ़्यूज़, जले हुए कॉइल, स्विच कंडक्टर आदि को बदलना आदि।

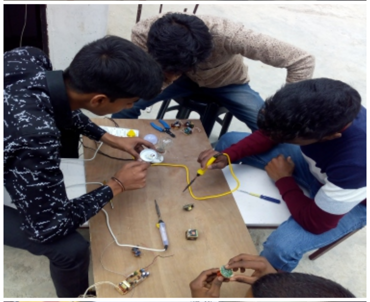
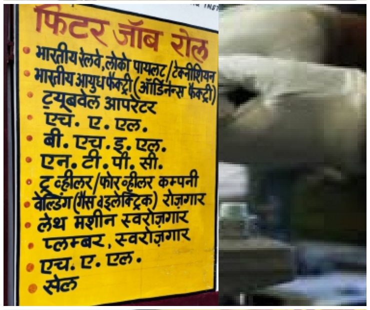

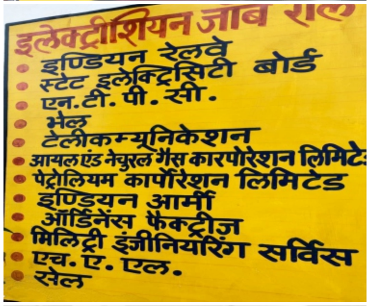

फ़िटर व्यावसाय में आप क्या सीखेंगे–

- धातु के हिस्सों को आकार देना और हाथ उपकरणों का उपयोग करके उन्हें मशीनों में फ़िट और असेंबिल करना।
- किसी पुर्ज़े या किसी वस्तु को आकार में लाने के लिए कटिंग, ग्राइंडिंग और ड्रिलिंग जैसे कार्य सीखना।
- फ़ुट रूलर, कैलीपर्स, माइक्रोमीटर, गेज आदि का उपयोग करके माप लेना।
- छोटी मशीनों का रखरखाव एवं मरम्मत कार्य करना सीखना।
- विभिन्न वाल्वों का विघटन और संयोजन करके मशीन टूल्स की सटीकता का परीक्षण करना आदि।

2. **सिलाई प्रौद्योगिकी / फैशन डिज़ाईनिंग (Sewing Technology/ Fashion Designing) :** सिलाई प्रौद्योगिकी एक रोज़गार उन्मुख व्यापार है जो सरकारी एवं निजी क्षेत्रों में रोज़गार के लिए उपयुक्त है। यह पाठ्यक्रम भारतीय उद्योगों के साथ–साथ अंतर्राष्ट्रीय उद्योगों की औद्योगिक आवश्यक्ताओं को पूरा करने एवं आत्म सशक्तिकरण के लिए बहुत शक्तिशाली है एवं विभिन्न पद जैसे– सिलाई मशीन ऑपरेटर, डिज़ाइनिंग में सहायक, बुटीक में सहायक, नमूना परिधान डिज़ाईनर सहायक, परिधान नमूना समन्वयक के सहायक बनने के लिए अभिप्रेत है। इस व्यावसाय की अवधि एक वर्ष की होती है।

योग्यता – सिलाई प्रौद्योगिकी व्यावसाय में प्रवेश लेने के लिए छात्र–छात्राओं को आठवीं की परीक्षा उत्तीर्ण करना आवश्यक है।

आयु सीमा –प्रशिक्षार्थी की आयु प्रवेश वर्ष में 01 अगस्त को 14 वर्ष से कम एवं 40 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। न्यूनतम आयु सीमा में किसी प्रकार की कोई छूट का प्रावधान नहीं है। अनुसूचित जाति एवं जनजाति को अधिकतम आयु में नियमानुसार छूट दी जाती है

पाठ्यक्रम **(Syllabus)**–आई0टी0आई0 सिलाई प्रौद्योगिकी का पाठ्यक्रम प्रशिक्षण महानिदेशालय (DGT-Directorate General of Training) द्वारा निर्धारित किया जाता है। पाठ्यक्रम को दो हिस्सों में बांटा गया है– 1. कार्यक्षेत्र (Domain Area) 2. आंतरिक क्षेत्र (Core Area)
डोमेन क्षेत्र व्यावसायिक कौशल और ज्ञान (Trade Theory and Practical) प्रदान करता है जबकि कोर क्षेत्र जीवन कौशल (Employbility Skills) संबंधित ज्ञान प्रदान करता है।

सिलाई प्रौद्योगिकी / फैशन डिज़ाईनिंग व्यावसाय में आप क्या सीखेंगें–

- सिलाई प्रौद्योगिकी व्यवसाय के प्रशिक्षु लेडीज़ टॉप, पेटीकोट, शार्ट कुरती, लेडीज़ सूट, नाइटवियर, ब्लाउज़, जींस आदि का निर्माण करते हैं।
- वे नवजात शिशु के लिये ड्रेस, टॉडलर ड्रेस, बच्चों के लिए ड्रेस, जेंट्स केज़ुअल शर्ट–ट्राऊज़र्स आदि भी बनाना सीखते हैं।
- इसके अतिरिक्त प्रशिक्षुओं को कपड़ों पर बाटिक पेंटिंग करना, विभिन्न प्रकार की कढ़ाईयाँ जैसे–काश्मीरी स्टिच, चिकनकारी, सिंधी वर्क, शैडो वर्क, रिबन वर्क, मिरर वर्क, स्मोकिंग, टाई एण्ड डाई, पीको आदि करना भी सिखाया जाता है।
- नवीनतम फ़ैशन से संबंधित डिज़ाईनस के कपड़े, कुशन्स, तकिये के कवर, बैग्स, पर्स / बटुए , चादरें आदि सिखाया जाना इस व्यावसाय का प्रमुख आकर्षण है।
- इस व्यवसाय में प्रशिक्षण लेने वाले प्रशिक्षार्थी, बुनियादी सिलाई मशीनों एवं ओवरलॉक मशीनों पर अभ्यास कर सिलाई करना, उनका रख–रखाव एवं मशीन चलाते समय बरती जाने वाली सावधानियों आदि के बारे में भी जानकारी प्राप्त करते हैं आदि।

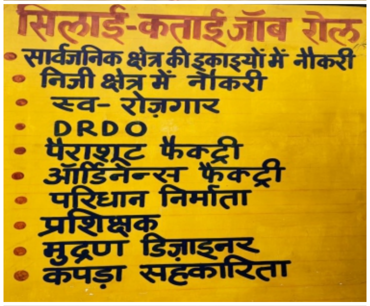

संस्थान में उपलब्ध मूलभूत सुविधायें–

1.कार्यशालाऐं (Workshops) : संस्थान के प्रांगण में इलेक्ट्रीशियन, फ़िटर एवं सिलाई प्रौद्योगिकी व्यावसाय की उत्कृष्ट कोटि की कार्यशालायें हैं जिनमें भारत सरकार के मानकों के अनुरूप मशीनरी एवं उपकरण आदि पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं।

2. कम्पयूटर प्रशिक्षण : संस्थान में एक कम्पयूटर लैब **(Computer lab)** भी है जहां संस्था में प्रवेशित छात्रों को ना केवल सामान्य कम्पयूटर ज्ञान संबंधी जानकारी दी जाती है बल्कि छात्र डी0सी0ए0 **(DCA-Diploma in Computer Application)**, ए0डी0सी0ए0 **(ADCA-Advanced Diploma in Computer Application)**, एवं सी0सी0सी0 **(CCC-Course on Computer Concepts)** जैसे पाठ्यक्रमों में प्रवेश लेकर विशिष्ट कम्पयूटर प्रशिक्षण भी प्राप्त कर सकते हैं।

3. पुस्तकालय (Library): संस्थान के पुस्तकालय में व्यावसाय संबंधी तथा ज्ञानवर्धक पुस्तकों, पत्रिकाओं, समाचार पत्रों एवं सूचना के अन्य स्त्रोतों का अच्छा संग्रह उपलब्ध है, जहां बैठकर बच्चे पुस्तकों के माध्यम से मनोरंजन के साथ–साथ अपनी ज्ञान वृद्धि भी कर सकते हैं। पुस्तकालय में पढ़ने हेतु निःशुल्क पुस्तकें भी उपलब्ध कराई जाती हैं।

4. अनुभवी तथा योग्य स्टाफ़ द्वारा प्रशिक्षण : संस्थान में नियुक्त प्रशिक्षक अनुसंधान एवं तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में योग्य एवं अनुभवी हैं। वे नियमित रूप से कक्षाओं में प्रशिक्षुओं के साथ जुड़ते हैं जिससे उनके अनुभव को और बेहतर बनाने के साथ–साथ उनका ज्ञानवर्धन किया जा सके।

5. अतिथि व्याख्यान (Guest lectures): संस्थान में बच्चों के लिए विशेषज्ञों द्वारा Guest lectures की कार्यशालाओं का आयोजन भी किया जाता है जिनमें मुख्यतः व्यक्तित्व विकास संबन्धी (Personality Development), रोज़गार संबंधी (Employment), साक्षातकार संबंधी (Interview), तनाव प्रबंधन संबंधी (Stress Management), संचार कौशल संबंधी (Communication Skills) आदि विषयों के माध्यम से बच्चों के तकनीकी विकास के साथ–साथ उनके मानसिक एवं सामाजिक विकास की ओर भी विशेष ध्यान दिया जाता है।

6. नियमित ऑनलाइन शिक्षा एवं मॉक टेस्ट्स : पाठ्यक्रम समाप्त हो जाने के उपरांत परीक्षा से पूर्व बच्चों को मॉक टेस्ट तथा ऑनलाइन शिक्षा के माध्यम से परीक्षा संबंधी अति आवश्यक जानकारियां प्रदान की जाती हैं एवं नियमित अभ्यास कराया जाता है।

7. सरकारी योजनाओं का लाभ : संस्थान सरकार द्वारा समय–समय पर दी जाने वाली विशिष्ट योजनाओं जैसे कि लैपटॉप / टैबलेट योजना आदि संबंधित जानकारियां भी बच्चों को देता रहता है ताकि बच्चे इन योजनाओं का लाभ उठा सकें।

8. स्कॉलरशिप : संस्थान में प्रवेशित छात्र–छात्राएं भारत सरकार द्वारा मेधावी तथा आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग से आने वाले छात्रों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए दी जाने वाली छात्रवृत्ति / शुल्क प्रतिपूर्ति जैसी सुविधाओं का लाभ भी ग्रहण कर सकते हैं।

9. रोज़गार मेला : संस्थान में प्रवेशित छात्रों को रोज़गार के अवसर सुलभ कराये जा सकें इसके लिये समय–समय पर संस्थान अपने स्तर से रोज़गार संबंधी कैम्पस का भी आयोजन करता है जिसमें विभिन्न कम्पनियां On the spot साक्षातकार के माध्यम से उनकी कम्पनी में काम करने के लिए तुरंत छात्रों का चयन कर लेती हैं। इसके अतिरिक्त संस्थान द्वारा उत्तर प्रदेश राज्य सरकार द्वारा बेरोज़गार युवाओं को रोज़गार के अवसर प्रदान करने के लिये विभिन्न शहरों और जिलों में लगाये जा रहे रोज़गार मेंलों के बारे में भी छात्रों को नियमित रूप से जानकारियां दी जाती रहती हैं।

10. सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन : संस्थान में समय–समय पर रंगारंग कार्यक्रमों एवं खेलकूद का आयोजन भी किया जाता है जिससे कि बच्चों को अपनी छिपी हुई प्रतिभाओं को निखारने का मौका दिया जा सके।

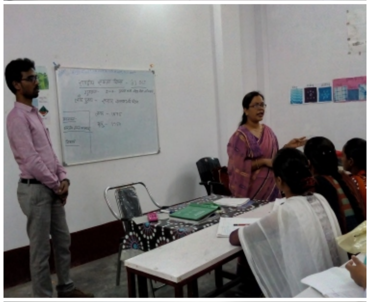

11. व्यायामशाला और इन्डोर गेम्स : संस्था में व्यायाम तथा इन्डोर खेल हेतु बुनियादि अवसंरचना (Basic Infrastructure) की स्थापना की गई है जिसमें प्रशिक्षु अपने खाली समय में इन सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं।

12. प्राथमिक चिकित्सा सुविधाः संस्थान में प्रशिक्षुओं एवं स्टाफ़ हेतु एन0सी0वी0टी0 के नियमानुसार प्रत्येक व्यावसाय में प्राथमिक उपचार इकाई उपलब्ध कराई गई है। प्रशिक्षुओं एवं स्टाफ़ के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए संस्था में समय–समय पर उनकी जागरूकता हेतु ध्यान कक्षाऐं (Meditation Classes) भी आयोजित की जाती हैं।

13. वाई–फ़ाई परिसरः संस्थान परिसर पूर्णरूप से वाई–फ़ाई युक्त है। ब्रॉडबैंड कनेक्टीविटी की सुविधा के माध्यम से प्रशिक्षु एवं स्टाफ़, परिसर के भीतर कहीं से भी ज़रूरत पड़ने पर इंटरनेट का लाभ उठा सकते हैं।

संस्था के नियम एवं शर्तें–

1–उपस्थिति–

- संस्थान का प्रशिक्षण सत्र **अगस्त से जुलाई** चलना प्रस्तावित है जिसमें छात्रों को प्रत्येक दिन 7 घण्टे का प्रशिक्षण प्रदान किया जायेगा।
- परीक्षा में बैठने के लिए **80 प्रतिशत** उपस्थिति अनिवार्य है अतः प्रशिक्षार्थी से अपेक्षा की जाती है कि वे नियमित रूप से कक्षा में उपस्थित रहें।
- सार्वजनिक छुट्टियों के अतिरिक्त, वर्ष में प्रशिक्षार्थी को 12 दिन का अवकाश दिया जा सकता है।
- अस्वस्थ हो जाने अथवा चोट लग जाने की दशा में, चिकित्सा प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने पर 15 दिन का चिकित्सीय अवकाश स्वीकृत किया जा सकता है।
- प्रशिक्षार्थी अपनी उपस्थिति प्रत्येक माह के अंत में अपने अनुदेशक से अवश्य ज्ञात कर ले, यह उसका स्वंय का उत्तरदायित्व होगा।

2–शिक्षण शुल्क–

- प्रत्येक प्रशिक्षार्थी को शिक्षण शुल्क संस्थान के कार्यालय में प्रत्येक माह की **10 तारीख** तक नकद अथवा आनलाईन भुगतान के माध्यम से जमा करना अनिवार्य है।
- एक बार संस्था में शुल्क जमा करने के उपरांत किसी भी दशा में ना ही वह शुल्क लौटाया जाएगा और ना ही स्थानान्तरित किया जाएगा।
- बिना कोई ठोस अथवा विशेष कारण बताय यदि छात्र समय से अपना शुल्क जमा नहीं करता है तो उसका नाम संस्था से काट दिया जाएगा अथवा उसे वार्षिक परीक्षा में बैठने की अनुमति प्रदान नहीं की जाएगी जिसके लिये प्रशिक्षार्थी स्वंय ज़िम्मेदार होगा।
- परीक्षा फार्म भरते समय निर्धारित परीक्षा शुल्क अलग से देना होगा।

3 – प्रवेश प्रक्रिया–

- प्रवेश के समय प्रत्येक प्रवेशार्थी को अपने शैक्षिक प्रमाणपत्रों की सत्यापित प्रतिलिपियों की एक–एक प्रति एवं 5 फोटो प्रस्तुत करने होंगे।
- कोई भी प्रवेशार्थी तभी माना जाएगा जब उसको प्रवेश के लिए दिया गया आवेदन पत्र प्रवेश नियमों के अनुसार प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या द्वारा स्वीकृत हो जाय तथा छात्र संस्थान द्वारा निर्धारित फ़ीस जमा न कर दे। ऐसा ना करने की स्थिति में प्रवेश निरस्त कर दिया जाएगा और उसके स्थान पर दूसरे आने वाले प्रवेशार्थी को प्रवेश दे दिया जाएगा ।
- संस्थान के निदेशक/प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या को यह अधिकार होगा कि वह संस्थान हित में कोई कारण बताये बिना किसी प्रवेशार्थी को प्रवेश न दें।

4– अनुशासन–

- संपूर्ण सत्र के दौरान संस्था में प्रवेश करते समय सभी प्रशिक्षार्थियों को अपना परिचय पत्र अपने पास रखना अनिवार्य होगा जिसको संस्थान के निदेशक/प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या/अनुदेशक अथवा कार्यदेशक के मांगे जाने पर प्रस्तुत करना आवश्यक होगा। परिचय पत्र ना दिखा पाने की स्थिति में संस्था को उसके विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही करने का सम्पूर्ण अधिकार होगा।
- संस्थान प्रांगण में प्रवेश करने के उपरांत एवं जाने से पूर्व, प्रशिक्षार्थी को प्रत्येक दिन सर्वप्रथम संस्था में मौजूद विज़ीटर्स रजिस्टर **(Visitor's Register)** में पूछी गई सूचनाओं को भरना अनिवार्य है।
- एक बार संस्था में आ जाने के उपरांत आप निर्धारित समय पर ही संस्था से बाहर जा सकते हैं। विशेष परिस्थियों में प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या की लिखित आज्ञा से ही आपको संस्थान से बाहर जाने की अनुमति दी जाएगी।
- संस्था में लगातार तीन दिन देर से आने पर आपको चेतावनी पत्र दिया जाएगा उसके उपरांत आप पर संस्था के नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।
- संस्था में मोबाईल फ़ोन का उपयोग वर्जित है, अतः या तो आप अपना फ़ोन ना लायें या फिर स्विच आफ़ करके संस्था में जमा कर दें। विशेष परिस्थितियों में संस्था के फ़ोन द्वारा ज़रूरी जानकारी आदान–प्रदान की जा सकती है।
- कोई भी प्रशिक्षार्थी संस्थान के प्रांगण में बिना किसी कारण के इधर–उधर नहीं घूमेगा और ना ही कॉमन एरिया में अथवा कक्ष के सामने खड़े होकर शोर करेगा।
- प्रत्येक प्रशिक्षार्थी संस्था प्रांगण को स्वच्छ रखने में अपना कर्तव्य निभायेगा और संस्था की दीवारों, खिड़कियों , दरवाज़ों आदि को अनावश्यक रूप से गंदा नहीं करेगा।
- कोई भी प्रशिक्षार्थी बिना अनुमति प्राप्त किये संस्थान के कार्यालय में प्रवेश नहीं करेगा और ना ही अपने व्यक्तिगत कार्यों के लिए किसी बाहरी व्यक्ति से दबाव अथवा सिफ़ारिश कराने का प्रयास करेगा ।
- प्रशिक्षार्थियों के अतिरिक्त उनके साथ किसी भी अन्य बाहरी व्यक्ति का संस्थान परिसर में आना वर्जित है।
- संस्थान में पान चबाना, पान मसाला/गुटका खाना और धूम्रपान करना निषेद्य है।
- प्रशिक्षार्थी संस्थान में कार्यरत सभी लोगों का सम्मान करेंगे और किसी के भी साथ अशोभनीय व्यवहार नहीं करेंगे।
- प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या ऐसे किसी भी प्रशिक्षार्थी को एक बार चेतावनी देने के उपरांत संस्थान से निष्कासित कर सकते/सकती हैं जिनका व्यवहार संस्थान अनुशासन के हित में ना हो।

प्रवेश फार्म संबंधी निर्देश –

न्यू लखनऊ सिटी प्रा0 आई0टी0आई0 संस्थान में प्रवेश लेने के इच्छुक छात्र–छात्रायें संस्था द्वारा निर्धारित प्रारूप पर ही अपना आवेदन पत्र प्रस्तुत करेंगे। प्रवेश हेतु दिये गये आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाणपत्रों की सत्यप्रतिलिपि संलग्न करना अनिवार्य है।

1. अनिवार्य शैक्षणिक योग्यता संबंधी अंकपत्र एवं प्रमाण पत्र (आठवीं या दसवीं पास या समकक्ष)
2. आधार कार्ड
3. पासपोर्ट साइज़ फोटो (4)
4. आरक्षित वर्ग का प्रमाणपत्र

नोट– इस सूचीपत्र (Prospectus) के साथ संस्थान में प्रवेश लेने हेतु आवेदन पत्र संलग्न है। संस्था से संबंधित अन्य किसी भी विषय पर विस्तृत जानकारी लेने हेतु संस्थान के प्रबंधक अथवा प्रधानाचार्य/प्रधानाचार्या से किसी भी कार्यदिवस में प्रातः 10:00 बजे से सांय 4:00 बजे के बीच में संपर्क किया जा सकता है।

धन्यवाद।

SMILE

संस्थान के टॉपर

FARHEEN
SEWING TECHNOLOGY (2019-20)
(89%)

RAHUL DHIMAN
SEWING TECHNOLOGY (2019-20)
(84%)

SONI VISHWAKARMA
SEWING TECHNOLOGY (2019-20)
(88%)

ANSHU YADAV
SEWING TECHNOLOGY (2019-20)
(84%)

PREETI GAUTAM
SEWING TECHNOLOGY (2021-22)
(83%)

SUMAN MAURIYA
SEWING TECHNOLOGY (2020-21)
(86%)

PREETI
SEWING TECHNOLOGY (2020-21)
(82%)

ANAMIKA RAJPOOT
SEWING TECHNOLOGY (2021-22)
(83%)

SUDHANSHU SAINI
ELECTRICIAN (2020-22)
(84%)

SUJEET VERMA
ELECTRICIAN (2020-22)
(83%)

ANKIT GUPTA
ELECTRICIAN (2020-22)
(84%)

SHIVAM DWIVEDI
ELECTRICIAN (2020-22)
(83%)

संस्थान के टॉपर

PIYUSH DIXIT
ELECTRICIAN (2020-22)
(86%)

SUBHASH VERMA
ELECTRICIAN (2020-22)
(83%)

DEEPAK YADAV
ELECTRICIAN (2019-21)
(84%)

SUBHAM YADAV
ELECTRICIAN (2019-21)
(87%)

ASIF ALI
ELECTRICIAN (2019-21)
(86%)

VAIBHAV YADAV
ELECTRICIAN (2019-21)
(86%)

AJAY KUMAR GIRI
FITTER (2020-22)
(81%)

PUSHPENDRA KUMAR
ELECTRICIAN (2019-21)
(88.81%)

DILSHAD ALI
FITTER (2020-22)
(82%)

NEW LUCKNOW CITY PVT ITI

Add : Mohan Road, Maunda, Lucknow

Phone Number : 9792361820, 9236013038, 8840012609
E-mail : newlucknowcitypvtiti@gmail.com
Website : www.newlucknowcityiti.com